175. किस मेवाड़ शासक के समय जावर की खानों में चाँदी की प्राप्ति हुई थी?

(a) महाराणा लाखा (b) महाराणा मोकल
(c) राणा हम्मीर (d) राणा क्षेत्र सिंह

Kanisht Abhiyanta (Civil)-18.05.2022

Ans. (a) : मेवाड़ के शासक महाराणा लाखा (1382-1421) के समय जावर की खानों से चाँदी की प्राप्ति हुई। साथ ही खनन कार्य भी प्रारंभ हुआ। राणा लाखा के समय में पिछौला झील, छीतर बंजारे द्वारा बनवाई गयी। जावर क्षेत्र उदयपुर जिले में स्थित है।

176. गोरा और बादल ने किसकी रक्षा की थी?

(a) महाराणा प्रताप (b) रानी पद्मिनी
(c) राणा उदय सिंह (d) कमलावती

कनिष्ठ अभियन्ता (विद्युत) भर्ती परीक्षा- 2020

Ans. (b) मेवाड़ के गुहिल राजवंश के शासक रतनसिंह की पत्नी का नाम रानी पद्मिनी था। जब दिल्ली सल्तनत के सुल्तान अलाउद्दीन खिलजी ने राजा रतनसिंह को बन्दी बना लिया तो गोरा एवं बादल ने रानी पद्मिनी का रक्षा किया था।

177. अलाउद्दीन खिलजी ने मेवाड़ पर आक्रमण किया था।

(a) 1296 ई. (b) 1285 ई.
(c) 1268 ई. (d) 1303 ई.

Junior Engineer Non TSP 2015

Ans. (d) : अलाउद्दीन खिलजी का महत्वपूर्ण अभियान चित्तौड़ (मेवाड़) की विजय (1302-03) थी। इस समय चित्तौड़ का शासक राणा रतन सिंह था। अंततः रतन सिंह ने आत्मसमर्पण कर दिया। अलाउद्दीन ने चित्तौड़ का शासक खिज्र खाँ को नियुक्त किया। चित्तौड़ अभियान में अमीर खुसरों ने भी भाग लिया था तथा इस आक्रमण का विस्तृत वर्णन किया है।

178. महाराणा कुम्भा के विषय में निम्नांकित में से कौन-सा कथन असत्य है?

(a) उन्होंने कुम्भलगढ़ का निर्माण कराया।
(b) वे संगीतप्रेमी थे।
(c) वे मेवाड़ के महान शासकों में से एक थे।
(d) वे स्वयं विद्वान न थे, किन्तु विद्वानों के आश्रयदाता थे।

RPSC-2011

Ans. (d) : मेवाड़ के गुहिलवंशी/सिसौदिया वंशी शासक महाराणाकुम्भा (1433-1468ई.) कुशल योद्धा, योग्य शासक साहित्य कला एवं संगीत के पोषक थे उन्होंने कुम्भलगढ़, अलचगढ़ और सिरोही के प्रमुख दुर्गो का निर्माण करवाया। कुंभा ने 1437ई. में 'सारंगपुर के युद्ध' में मालवा के शासक महमूद खिलजी को पराजित किया। इस विषय के उपलक्ष्य में चित्तौड़ दुर्ग में कीर्ति स्तम्भ (विजय स्तंम्भ) का निर्माण कराया।

• महाराणा कुंभा स्वयं विद्वान थे एवं विद्वानों को आश्रय भी प्रदान किया था।

179. सारंगपुर युद्ध (1437 ई.) किन राज्यों के मध्य हुआ-

(a) मेवाड़-मालवा (b) मेवाड़-मारवाड़
(c) गुजरात-मारवाड़ (d) मेवाड़-चन्देल

JEN Civil Diploma (Tsp Area) 16.10.2016
कनिष्ठ अभियंता सिविल 18.05.2022

Ans. (a) – उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

180. उस व्यक्ति का नाम बताइए जो कि 'अभिनव भरताचार्य' के नाम से भी जाना जाता है।

(a) महाराजा जसवंत सिंह -II
(b) महाराणा कुंभा
(c) महाराणा प्रताप
(d) नागभट्ट -I

पटवार-2020 (23 अक्टूबर, 2021)

Ans. (b) राजस्थान के शासक राणा कुम्भा को 'अभिनव भरताचार्य' एवं 'हिन्दू सुरताण' के नाम से भी जाना जाता है। महाराणा कुम्भा 1433 से 1468 ई. तक मेवाड़ के राजा थे।

181. महाराणा कुम्भा द्वारा रचित 'संगीत राज' कितने भागों में विभक्त है-

(a) पाँच (b) तीन
(c) सात (d) नौ

Live Stock Assistant (Non TSP Area)- 21.08.2016

Ans. (a) महाराणा कुंभा द्वारा रचित 'संगीत राज' को पाँच भागों में विभक्त किया है- पथ रत्नकोष, गीत रत्नकोष, वाद्य रत्नकोष, नृत्य रत्नकोष एवं 80 परीक्षण।

182. महाराणा कुम्भा के शासनकाल में चित्तौड़ का वास्तुकार कौन था?

(a) मण्डन (b) विध्याधर
(c) दीपक (d) निहालचन्द

कनिष्ठ अभियन्ता (विद्युत) (डिप्लोमाधारक)-2020

Ans. (a) महाराणा कुम्भा के शासनकाल में चित्तौड़ का वास्तुकार मण्ड़न था। यह महाराणा कुम्भा का प्रधान वास्तुविद तथा मूर्तिशास्त्री था। मंडन के अतिरिक्त जैता भी महाराजा कुम्भा का दरबारी वास्तुकार था।

183. 'हाल गुरू' मेवाड़ के किस शासक को कहा गया है?

(a) महाराणा प्रताप (b) महाराणा सांगा
(c) महाराणा राजसिंह (d) महाराणा कुंभा

कनिष्ठ अभियंता (कृषि) सीधी भर्ती परीक्षा-10.09.2022

Ans. (d) – पहाड़ी दुर्गों का स्वामी होने के कारण मेवाड़ के शासक राणा कुंभा (1433-1468) को 'हालगुरू' की उपाधि दी गई थी। इन्हें अभिनवभरताचार्य, हिन्दू सुरताण, दान गुरु, छापगुरु, राणो रासो/रायरासो आदि नामों से भी जानते हैं। राणा कुम्भा ने विजय स्तम्भ का निर्माण करवाया।

184. महाराणा कुम्भा के समय का प्राचीनतम ज्ञात अभिलेख (विक्रमी संवत् 1490) प्राप्त होता है ग्राम–

(a) माछा से (b) धुलेव से
(c) सिंघोली से (d) पदराड़ा से

RPSC OAA-2018 Ag. Deptt (Part-1) 17-10-2022

Ans. (d) : महाराणा कुम्भा के समय के समय का प्राचीनतम ज्ञात अभिलेख (विक्रमी संवत् 1490) पदराडा ग्राम से प्राप्त होता है।

185. निम्न में से किस प्रशस्ति के रचयिता अत्री और महेश थे?

(a) बिजौलिया अभिलेख (b) रणकपुर प्रशस्ति
(c) कुम्भलगढ़ प्रशस्ति (d) कीर्ति स्तंभ प्रशस्ति

RPSC Van Rakshak Exam 11.12.2022 Shift-I